BSES

बीएसईएस वेबसाइट पर करें भुगतान बिल्कुल मुफ्त, रसीद भी तत्काल मिलेगी

- **www.bsesdelhi.com** पर अपने बिल भुगतान का इतिहास भी देख सकते हैं उपभोक्ता

नई दिल्ली, 20 मार्च, 2009। बीएसईएस उपभोक्ता अपने बिजली बिलों का भुगतान बीएसईएस की वेबसाइट **www.bsesdelhi.com** पर बिल्कुल मुफ्त कर सकते हैं। यही नहीं, इस भुगतान की रसीद भी उन्हें तत्काल मिल जाएगी। रसीद का प्रिंटआउट लेकर वे उसे सबूत के तौर पर अपने पास रख सकते हैं। उपभोक्ता अपने बिजली बिल भुगतान का इतिहास भी बीएसईएस वेबसाइट पर देख सकते हैं। इस वेबसाइट पर आप चाहें तो केडिट कार्ड्स से भुगतान कर सकते हैं, नेट बैंकिंग अकाउंट्स के जरिये भुगतान किया जा सकता है या फिर इट्ज कार्ड्स भी नेट पर आपके भुगतान का माध्यम बन सकते हैं।

बीएसईएस प्रवक्ता का कहना है कि बीएसईएस वेबसाइट पर भुगातन करना पूरी तरह से सुरक्षित है, सुविधाजनक है, विश्वसनीय है और सबसे अहम बात कि इसका रेकॉर्ड भी रखा जा सकता है। माउस के महज एक क्लिक से बिलों का भुगतान करने पर, उपभोक्ताओं को समय की बचत भी होगी। वैसे, बीएसईएस उपभोक्ता इंटरनेट के माध्यम से बिलों के भुगातन को अब प्रमुखता देने लगे हैं।

बीएसईएस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वित्त वर्ष 2008–09 के दौरान 8 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने इंटरनेट के माध्यम से अपने बिजली बिलों का भुगतान किया, जिस में 170 करोड़ रूपये से अधिक की लेन–देन हुई। इंटरनेट के माध्यम से भुगतान करने वालों में करीब 3 लाख उपभोक्ताओं ने केडिट कार्ड व नेट बैंकिंग का इस्तेमाल किया, जबकि 5.5 लाख उपभोक्ताओं ने इट्ज कार्ड का उपयोग किया। जहां तक वेबसाइट पर लॉगऑन करने की बात है, तो पिछले कुछ महीनों के दौरान करीब 10 लाख लोगों ने बीएसईएस वेबसाइट पर लॉगऑन किया।

इंडस्ट्री बॉडी एसोचैम दवारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक, देश में ई–बिलिंग व्यवसाय 200 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है और 2009 तक इसके तिगुना हो जाने की संभावना है। वैसे, इंटरनेट के माध्यम से बिल भुगतान करने के मामले में मुंबई सबसे आगे है और दिल्ली दूसरे नंबर पर है। मुंबई में 28 प्रतिशत लोग नेट के माध्यम से बिलों का भुगतान करते हैं, जबकि दिल्ली में 22 प्रतिशत लोग, चेन्नै में 12. 5 प्रतिशत लोग और बंगुलरू में 12 प्रतिशत लोग इंटरनेट के माध्यम से भुगतान करते हैं। ऑनलाइन भुगतान करके, एक औसत शहरी उपभोक्ता 80 घंटे बचाता है।

लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इंटरनेट पर भुगतान करके उपभोक्ता पर्यावरण के प्रति अपना अमूल्य योगदान भी दे रहे हैं? जी हां। वह ऐसे कि अगर आप बीएसईएस ऑफिसों या ड्रॉप बॉक्स आदि तक जाकर नकद या चेक के माध्यम से भुगतान करते हैं, तो जाहिर है कि आप अच्छी मात्रा में डीजल– पेट्रोल आदि बरबाद करते हैं, जिस से निकलने वाली हानिकारक गैसें पर्यावरण को काफी नुकसान पहुंचाती हैं। जरा सोचिए, यदि अधिक से अधिक उपभोक्ता इंटरनेट के माध्यम से भुगतान करना शुरू कर दें, तो पर्यावरण को कितना फायदा हो सकता है और दिल्ली की आबोहवा कितनी स्वच्छ बन सकती है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304